दीनदयाल शोध संस्थान (An ISO 9001: 2008)

संकल्प : "अपने लिए नहीं अपनों के लिए है। अपने वे है जो पीड़ित और उपेक्षित है"

उद्देश्य : समाज जीवन के सभी पहलुओं पर जनता की पहल एवं पुरुषार्थ के आधार पर युगानुकूल सामाजिक पुनर्रचना का अनुकरणीय नमूना सामूहिक प्रयत्न से तैयार करना।

गतिविधियाँ

दीनदयाल शोध संस्थान नई दिल्ली : सामाजिक अनुसंधान एवं अनुप्रयोग केन्द्र

बालजगत, नागपुर: 2 से 21 वर्षीय बाल-किशोर तथा तरूण बच्चों का सर्वांगीण विकास

गोकुल शिशु वाटिका, बीड़ : नौकरी तथा व्यवसाय करने वाले माता-पिता के बच्चों का संस्कारक्षम पालन करना।

भक्तिधाम जयप्रभाग्राम, गोण्डा : मानव के सर्वांगीण विकास का सुगम माध्यम।

थारूविकास केन्द्र, इमलिया कोडर पचपेडवा बलरामपुर, गोण्डा : थारू क्षेत्र में शिक्षा के माध्यम से अनुकरणीय व्यवस्था।

कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्रकूट, गोण्डा (उ.प्र.), बीड़ (महाराष्ट्र), सतना (म.प्र.): अलाभकर जोत को लाभकर बनाना (जलग्रहण प्रबन्धन, कृषि, पशुधन, उद्यान, कृषिगत प्रशिक्षण)

उद्यमिता विद्यापीठ, दीनदयाल औद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र, चित्रकूट (म.प्र), गोण्डा (उ.प्र): स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण, लघुउद्योगों की स्थापना में सहयोग, उत्पादनसह प्रशिक्षण केन्द्र।

आरोग्यधाम चित्रकूट (म.प्र.) जयप्रभा ग्राम, गोण्डा (उ.प्र.): आजीवन स्वास्थ्य की विधियों की खोज एवं जीर्णव्याधियों पर अनुसंधान, आयुर्वेदिक औषधियों का मानकीकरण एवं परम्परागत चिकित्सा विधियों की खोज

रसशाला चित्रकूट (म.प्र.) जयप्रभा ग्राम, गोण्डा (उ.प्र.): उच्चगुणवत्ता युक्त औषधियों (बटी, भस्म, आसव, चूर्ण आदि) का जीएमपी मानक पर निर्माण।

गोवशं विकास एवं अनुसंधान केन्द्र चित्रकूट: भारतीय गौवंश में से 12 नस्लों का संरक्षण एवं संवर्धन।

जनशिक्षण संस्थान चित्रकूट, गोण्डा (उ.प्र.), बीड़ महाराष्ट्र : अशिक्षित, नवसाक्षर, बेरोजगार प्रशिक्षार्थीओं को व्यावसायिक तथा यांत्रिक प्रशिक्षण।

शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र चित्रकूट: सचल वैज्ञानिक प्रयोगशाला द्वारा गाँव में प्रयोग प्रदर्शन।

गुरुकुल संकुल चित्रकूट: ग्रामीण अंचल के छात्रों को आवासीय व्यवस्था सहित शैक्षणिक स्तर का उन्नयन एवं उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास।

सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय चित्रकूट, चिन्मय ग्रामोदय विद्यामन्दिर जयप्रभा ग्राम, गोण्डा : ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों की शिक्षा के माध्यम से युगानुकूल सामाजिक पुनर्रचना।

नन्ही दुनिया चित्रकूट : 3-5 वर्ष के शिशुओं की खेल-खेल में शिक्षा।

रामनाथ आश्रमशाला चित्रकूट: अनुसूचित जाति के बालक-बालिकाओं को नि:शुल्क आवासीय व्यवस्था सहित शिक्षण, प्रशिक्षण एवं सर्वांगीण विकास।

परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां: अनुसूचित जनजाति के बालक-बालिकाओं को नि:शुल्क आवासीय सुविधा में प्राथमिक स्तर तक जीवनोपयोगी शिक्षा।

कृष्णादेवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय: अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को नि:शुल्क आवासीय सुविधा सहित शिक्षित, प्रशिक्षित व संस्कारित कर सर्वांगीण विकास।

दिशादर्शन केन्द्र, चित्रकूट: संस्थान की गतिविधियों का संकलन एवं उनका आदान-प्रदान, दृश्य-श्रवण के माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना।

रामदर्शन चित्रकूट: मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपना जीवन सार्थक बनायें।

राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख

(११ अक्टूबर १९१६ - १७ फरवरी २०१०)